इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Tribal University
अमरकंटक (म.प्र.) || Amarkantak (MP)

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति

14 अप्रैल, 2020

प्रिय सहकर्मी / सहयोगीगण एवं विद्यार्थियों,

आधुनिक भारत के राजनेताओं में बाबासाहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर एक मात्र व्यक्तित्व हैं जो स्वातंत्र्योत्तर भारत में निरंतर लोकप्रिय होते रहे हैं और एक प्रतीक के रूप में क्रमशः महत्वपूर्ण बनते गये हैं। वह विभूति जिनके द्वारा समय से आगे का सपना देखा जाता है उसके विचारों की उपादेयता सर्वकालिक होती है। डॉ आम्बेडकर ऐसी ही विभूति हैं। विधिशास्त्री, शिक्षक, संविधान मर्मज्ञ, सांसद, राजनेता, सामाजिक सुधार क्रांति के प्रणेता, अध्येता, प्रखर अर्थवेत्ता, लेखक, पत्रकार, आन्दोलनकारी एवं मानवतावादी के रुप में डॉ. आम्बेडकर जी का इस देश की विकास प्रक्रिया में अप्रतिम योगदान है।

भारत रत्न डॉ. आम्बेडकर अपने वैचारिक उन्मेष से "मूकनायक" से होते हुए दलितों के मसीहा एवं नवबौद्ध के रूप में प्रतिष्ठित हुये। यथास्थितिवाद के कट्टर विरोधी डॉ. आम्बेडकर समसमाज के आग्रही और प्रेरक रहे हैं। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन की लहर से वंचित वर्ग को व्यवस्था की मूल धारा में लाने एवं सम्मान देने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने वंचित समाज के लिये त्रिसूत्री आचार संहिता दी– शिक्षित बनो, संगठित बनो और संघर्ष करो। यह सम्पूर्ण समाज के लिये उपयोगी एवं अवगाहन करने योग्य है। शिक्षा से संस्कार, पहचान, सम्मान और स्थान की प्राप्ति होती है, संगठन की प्रक्रिया पूरे राष्ट्र को एक बृहत्तर संगठन, समाज एवं राजनीतिक ईकाई के रूप में स्थापित करती है, जबकि संघर्ष संकीर्णताओं के विरुद्ध, आंतरिक कमजोरियों के विरुद्ध, अभाव के विरुद्ध और बाह्य शत्रुओं के विरुद्ध सुव्यवस्थित अभियान चलाने का निर्देश है। यह एक समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिये अत्यन्त आवश्यक है।

राजनीतिक लोकतंत्र के लिए सामाजिक लोकतंत्र की आवश्यकता पर बल देने वाले डॉ. आम्बेडकर ने सार्थक व्यवस्थागत परिवर्तन के लिए सदैव संवैधानिक मार्ग के अवलम्बन पर बल दिया। भारतीय समाज और राष्ट्र के उन्नयन का व्रत लेने वाले, राष्ट्र की एकता तथा अखंडता के लिए उत्सर्ग के लिए तत्पर रहने वाले डॉ. आम्बेडकर जी का व्यक्तित्व हम सभी के लिये अनुकरणीय है एवं प्रेरणास्पद है।

भारत के गौरव पुरुष डॉ. आम्बेडकर जी की 129 वीं जयंती पर उन्हें शत शत नमन एवं आप सभी को बधाई।

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी

Amarkantak, District – Anuppur, Madhya Pradesh, PIN 484887
Phone : 07629 269710 || Fax 07629 269712 || eMail : vc@igntu.ac.in || website :www.igntu.ac.in

Scanned by CamScanner